हिंदी परिचर्चा - “आत्मसात संकल्प: आत्मनिर्भर स्वतंत्र भारत का सोपान”

जैव रसायन विज्ञान विभाग,के नेतृत्व में एक आभासी मोड (ज़ूम) से स्वतंत्रता दिवस उत्सव के उपलक्ष्य में 17अगस्त 2020 को “आत्मसात संकल्प: आत्मनिर्भर स्वतंत्र भारत का सोपान” नामक एक हिंदी परिचर्चा / प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में संयोजक डॉ. अर्चना सिंह (प्रधान वैज्ञानिक) ने मुख्य अथिति डॉ. ए. के. सिंह, निदेशक, भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, सभी अथितिगण, वैज्ञानिक गण, वक्ताओं, और श्रोताओ का इस कार्यक्रम स्वागत किया। डॉ. शैली प्रवीण, अध्यक्ष, जैव रसायन विज्ञान विभाग ने संक्षिप्त में संभाग में चल रहे ऐसे शोध कार्यो के बारे बताया जो की भारत को आत्मनिर्भरता की और ले जाने की सम्भावना रखते है। डॉ. रविंद्र पड़रिया, प्राध्यापक, कृषि विस्तार विभाग और डॉ. आर आर बर्मन प्रधान वैज्ञानिक, कृषि विस्तार विभाग ने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा की जब हमारे गाँवों का किसान आत्मनिर्भर होगा तभी हम देश की 58% जनता आत्मनिर्भर हो पायेंगी । डॉ. इंद्रा मणि मिश्रा, अध्यक्ष, कृषि अभियांत्रिकी विभाग ने ज्ञान अर्जन करने की महत्वता और ज्ञान शब्द के सही अर्थ पर चर्चा की। साथ ही साथ उन्होंने युवा वर्ग से चरित्र निर्माण पर भी ध्यान देने को कहा। डॉ. मान सिंह, परियोजना निदेशक, जल प्रद्यौगिक केंद्र ने आत्मनिर्भरता को आत्मसम्मान और आत्मविश्वाश से जोड़ा। उन्होंने इस बात को समझने के लिए खेल जगत के उदाहरणों का वर्णन कर कीया।

निदेशक महोदय डॉ. ए. के. सिंह ने अपने संबोधन में कहा की किसी भी संकल्प को आत्मसात करने के लिए मानव का चरित्र निर्माण और अपने मन की गुलामी छोड़ना जरुरी है। हमे सरकार द्वारा दी गयी जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी ने निर्वाह करना चाहिए। कृषि क्षेत्र में निदेशक महोदय ने प्रसंस्करित खाद्यान पदार्थ (Processed food) के निर्यात को बढ़ावा देने पर जोर दिया और उन्होंने बताया सरकार इसके लिए नए उद्यमीय को इस क्षेत्र में लेन के लिए प्रयासरत है। डॉ. मान सिंह की अध्यक्षता में इस परिचर्चा में 5 प्रतियोगियों और 3 आमत्रित वक्ताओं ने अपने विचारो को साँझा किया। कार्यक्रम के अंत में संयोजक डॉ.अर्चना सिंह ने सभी अथितिगण, निर्णायक गण, वैज्ञानिक गण, वक्ताओं, और श्रोताओ को धन्यवाद दिया।